



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

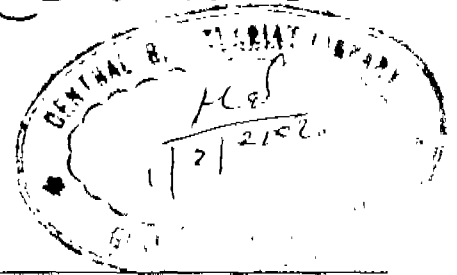
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 262]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 27, 2001/आश्विन 5, 1923

No. 262]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 27, 2001/ASVINA 5, 1923

भारतीय रिजर्व बैंक

(केन्द्रीय कार्यालय)

(शहरी बैंक विभाग)

अधिसूचना

मुम्बई, 26 सितम्बर, 2001

RESERVE BANK OF INDIA

(Central Office)

(URBAN BANKS DEPARTMENT)

NOTIFICATION

Mumbai, the 26th September, 2001

श.बै.वि.के.का./बीआर/13/16.05.00/2001-2002.— भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का अधिनियम 2) की धारा 42 की उपधारा (6) के खंड (क) के अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक एतद्वारा इंडियन मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक लि., 26ए, कन्टोन्मेंट रोड, लखनऊ-226001 (उत्तर प्रदेश) को उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में दिनांक 3 नवंबर, 2001 से शामिल करने का निदेश देता है।

एस. करुप्पसामी, मुख्य महाप्रबंधक

[विज्ञापन सं. III/IV/38/2001/असा.]

UBD.CO.BR./16.05.00/2001-2002.— The Reserve Bank of India in pursuance of Clause (a) of Sub-section (6) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (Act No. 2 of 1934) hereby directs inclusion of the Indian Mercantile Cooperative Bank Ltd., 26A, Cantonment Road, Lucknow-226001, Uttar Pradesh, in the Second Schedule to the said Act, with effect from 3 November, 2001.

S. KARUPPASAMY, Chief General Manager

[ADVT. III/IV/38/2001/Exty.]

3. इस आदेश के संदर्भ में इस प्राधिकरण को आदेशित वृद्धियों की समीक्षा का अनुरोध करते हुए मत्स्यपालन उद्योग से जुड़े संबंधित प्रयोक्ता संगठनों से अनेक अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। उनके अभ्यावेदनों में उठाए गए मुख्य मुद्दों का सारांश निम्नलिखित है :-

आंध्र प्रदेश मेकेनाइज्ड फिशिंग बोट ऑपरेटर एसोसिएशन

- (i) विशाखापट्टणम फिश हार्बर का निर्माण कृषि मंत्रालय द्वारा प्रदत्त धन से किया गया था। यह एक कल्याणकारी स्कीम है, जोकि भारतीय मत्स्यपालन परियोजनाओं की भी सहायता करती है। गरीब मछुआरे मेरीन निर्यातों में 60% का योगदान करते हैं।
- (ii) गरीब मछुआरों को दरों के मान के निर्धारण के समय पोतस्वामियों, एजेंटों, जहाजीकुलियों जैसे व्यापारियों के समक्ष माना जाता है।
- (iii) इसने मछलीमार नावों पर लागू संशोधित दरों के साथ संशोधन-पूर्व दरों की तुलना की है और निम्नलिखित मुद्दों पर विचार करने का अनुरोध किया है :-
 - (क) मछलीमार नौका मछलियों की उपलब्धता के अनुसार एक महीने में फिश हार्बर में अनेक बार प्रवेश करती हैं। मछलीमार नौका पर पत्तन देयता लगाना दरों के संशोधित मान में एक नई मद है और इसे हटाया जाए अथवा न्यूनतम स्तर तक कम किया जाए।
 - (ख) बर्थ किराया प्रभार 230/-रुपए से बढ़ाकर 2069/-रुपए प्रतिमाह प्रति नौका कर दिया गया है। यह पारादीप पत्तन न्यास में लगाए जा रहे 300/-रुपए प्रति नौका और मुंबई पत्तन न्यास में 10/-रुपए प्रति जीआरटी प्रतिमाह की तुलना में बहुत अधिक है।
 - (ग) 8 घंटे के आधार पर निर्धारित किए गए संशोधित बर्थ किराया प्रभारों को संशोधित किया जाए और दैनिक आधार पर एनआरटी के अनुसार लगाया जाए अथवा प्रति जीआरटी दर कम की जाए।
 - (घ) मछलीमार नौकाओं द्वारा उतारी जाने वाली मछली पर घाटशुल्क को 20 गुना से अधिक बढ़ाकर 63.80 रुपए प्रतिमाह प्रति नौका से 1075/-रुपए प्रतिमाह प्रति पोत कर दिया गया है। संशोधित दर को संशोधन-पूर्व दर के दुगुने तक सीमित किया जाए अथवा नौका के एनआरटी पर आधारित होना चाहिए।
 - (ङ) मछलीमार ट्रालरों और नौकाओं के लिए बंकरों की आपूर्ति पर लगाया गया प्रशुल्क (10/-रुपए प्रति कि०ली०) एक नई मद है और इसे हटाया जाए या कम किया जाए।